नॉर्मन विन्सेन्ट पील

अंतर्राष्ट्रीय बेस्टसेलर

द पॉवर ऑफ़ पॉज़िटिव थिंकिंग के लेखक

जोश से ही सारा फ़र्क़ पड़ता है

Hindi translation of
Enthusiasm Makes the Difference

जोश
से ही
सारा फ़र्क़
पड़ता है।

जोश
से ही
सारा फ़र्क़
पड़ता है।

नॉर्मन विन्सेन्ट पील

अनुवाद: डॉ. सुधीर दीक्षित

MANJUL
मंजुल पब्लिशिंग हाउस

First published in India by

Manjul Publishing House
Corporate and Editorial Office
• 2nd Floor, Usha Preet Complex, 42 Malviya Nagar, Bhopal 462 003 - India
Sales and Marketing Office
• 7/32, Ground Floor, Ansali Road, Daryaganj, New Delhi 110 002 - India
Website: www.manjulindia.com

Distribution Centres
Ahmedabad, Bengaluru, Bhopal, Kolkata, Chennai,
Hyderabad, Mumbai, New Delhi, Pune

Hindi translation of Enthusiasm Makes the Difference
by Norman Vincent Peale

This edition first published in 2010
Fifth impression 2017

Copyright © 1967 by Norman Vincent Peale
Copyright renewed © 1995 by Ruth Stafford Peale,
Margaret Peale Everett, Elizabeth Peale Allen,
and John Stafford Peale

ISBN 978-81-8322-174-0

Translation by Dr. Sudhir Dixit

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form, or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise) without the prior written permission of the publisher. Any person who does any unauthorized act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

यह पुस्तक मेरे नाती-पोतों -
लॉरा स्टैफ़र्ड पील
चार्ल्स क्लिफ़र्ड पील
सारा लेसी पील
जेनिफ़र रूथ एवरेट
और
जॉन, सिंथिया तथा जेनिफ़र एलन
को समर्पित है
इस उम्मीद के साथ कि वे सीखेंगे
जोश से ही सारा फ़र्क़ पड़ता है।

प्रस्तावना

जोश वह बेशक़ीमती गुण है, जो हर चीज़ का कायाकल्प कर देता है! यही इस पुस्तक का संदेश है।

ज़िंदगी फूलों और चाँदनी की सेज नहीं होती। इसमें बहुत सी मुश्किलें, दर्द और कुंठाएँ भी होती हैं। यह पुस्तक ज़िंदगी का सामना ठीक उसी तरह करती है, जैसी यह है। लेकिन इसमें एक रचनात्मक समाधान दिया गया है- ऐसा समाधान, जो कारगर है। यह इसके-बावजूद क़िस्म की पुस्तक है। सब कुछ नकारात्मक होने के बावजूद आप उसे सकारात्मक बना सकते हैं।

रुचि, रोमांच, स्फूर्ति- यह पुस्तक इन्हीं चीज़ों के बारे में है।

यह बताती है कि आपको बोझिल, नीरस और थकी हुई ज़िंदगी जीने की ज़रूरत नहीं है- क़तई नहीं! कभी भी ऐसी ज़िंदगी से संतुष्ट न रहें। कठोर, दर्द भरे और हताश करने वाले हालात के बावजूद आप जीवंत, जोशीले और सफल बन सकते हैं।

आप अपनी नौकरी या कार्य - व्यवसाय में नई भावना जगा सकते हैं और नई रचनात्मक कुशलता भर सकते हैं। आप अपने जीवन के हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आप उत्साह और आनंद से भरी ज़िंदगी जी सकते हैं, बशर्ते आप चाहें। और ऐसा कौन नहीं चाहता?

व्यक्तिगत तौर पर मैं इस पुस्तक के संदेश में शत-प्रतिशत यक़ीन करता हूँ। मैंने देखा है कि जोश ने कितने सारे लोगों के लिए कितना कुछ किया है। मेरी बात पर यक़ीन करें, यह कारगर है!

नॉर्मन विन्सेन्ट पील

विषय सूची

1. जोश आपके लिए क्या कर सकता है
2. जोश जो कभी कम नहीं होता
3. जोश से लोगो को राज़ी करना
4. जोश डर और चिंता को कैसे ख़त्म करता है
5. जोश को काम-धंधे मे आज़माकर देखें
6. तनाव? घबराहट? जोश की मदद लें
7. जोश समस्याओं में चमत्कार करता हैं
8. जोश- प्रबल प्रेरणा, जिससे बड़ी-बड़ी घटनाएँ होती हैं
9. जोश मुश्किलों के बीच शक्ति देता है
10. संक्रामक जोश
11. जोश और हमारा भविष्य
12. जोश से ही सारा फ़र्क़ पड़ता है

1
जोश आपके लिए क्या कर सकता है

अप्रैल की चमकती धूप में न्यूयॉर्क शहर किसी विशाल नक़्शे जैसा दिख रहा था। ऑफ़िस की गगनचुंबी इमारत की खिड़की से दूर दक्षिण में सैंडी हुक और उत्तर में जॉर्ज वॉशिंगटन पुल दिख रहा था। पश्चिम में न्यू जर्सी की निचली पहाड़ियाँ नीली धुंध में चमक रही थीं। बंदरगाह से जाने वाले समुद्री जहाज़ की गहरी सीटी सुनाई दे रही थी। हमारी आँखों के सामने दुनिया के महानतम शहर का विशाल जाल फैला हुआ था।

डेस्क के पीछे बैठा आदमी साफ़ तौर पर चिंतित दिख रहा था। उसके चेहरे पर चिंता की खिंची लकीरें उसकी भावनाएँ बयान कर रही थीं। उसने कहा, "कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि काश! मैं इस कंपनी के कर्मचारियों की ज़िम्मेदारी से बच पाता! यक़ीन मानें, कर्मचारियों का प्रभारी बनना बड़े सिरदर्द का काम है। अक्सर मुझे मजबूरन ऐसे काम करने पड़ते हैं, जिन्हें मैं व्यक्तिगत रूप से बिलकुल भी पसंद नहीं करता हूँ। इस कंपनी के कर्मचारियों की तक़दीर मेरे हाथों में है और मुझे इसमें ज़रा भी मज़ा नहीं आता।"

मैंने उसकी बात काटते हुए कहा, "लेकिन उनकी तक़दीर दरअसल आपके हाथों में नहीं है। अंतिम विश्लेषण में, हर आदमी की तक़दीर उसी के हाथों में होती है। हाँ, आपकी समस्या से मुझे सहानुभूति है, क्योंकि आपको सचमुच कर्मचारियों से संबंधित ऐसे निर्णय लेने होते हैं, जिनसे उनके भविष्य पर बहुत असर पड़ सकता है।"

उसने कहा, "इसी कारण मैंने आपको आज यहाँ बुलाया है। यह हम दोनों के मित्र फ़्रेड हिल के बारे में है। मैंने अब तक कर्मचारियों के बारे में जितने भी निर्णय लिए हैं, उनमें यह सबसे दर्द भरे निर्णयों में से एक है और मुझे आपकी मदद चाहिए।" मैंने उसे आश्वस्त किया कि मैं मदद करने की पूरी कोशिश करूँगा, लेकिन मुझे पता नहीं है कि तुम्हें किस तरह की मदद की ज़रूरत है। मैंने उसे बताया कि मैं बिज़नेस की समस्याओं के बारे में कुछ नहीं जानता, इसलिए उनके संबंध में कोई कारगर मदद नहीं कर सकता।

"लेकिन देखिए, यह पूरी तरह से बिज़नेस संबंधी समस्या नहीं है। बुनियादी तौर पर यह मानवीय समस्या है। दरअसल, हमारी इस मुलाक़ात से यह तय हो सकता है कि हमारे प्रिय मित्र के साथ क्या होगा। और उसकी पत्नी तथा तीन बेटों के साथ भी। मुझे इस बात की चिंता है कि आज के बाद फ़्रेड कितना असरदार रहेगा- न सिर्फ़ बिज़नेस में, बल्कि चर्च और समाज में भी। देखिए, छह महीने बाद इस कंपनी में एक पद ख़ाली होने वाला है और कंपनी के व्यावसायिक तंत्र के लिहाज़ से फ़्रेड उसके लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति नज़र आता है। लेकिन मेरी अंतरात्मा यह गवारा नहीं करती और कंपनी के प्रति ईमानदार रहते हुए, मैं उसे नियुक्त करने की सिफ़ारिश नहीं कर सकता। इसलिए मुझे उम्मीद है कि आप और मैं फ़्रेड को बदलने का कोई तरीक़ा खोज लेंगे। वैसे मुझे यह एहसास भी है कि यह बड़ा मुश्किल काम है।"

"उसमें क्या बदलना है?" मैंने पूछा। "वह तो बहुत बढ़िया इंसान है। मुझे नहीं लगता कि उसके साथ कोई गड़बड़ है, सिवाय इसके कि कई बार वह काफ़ी उदासीन दिखता है।"

"यही तो बात है," एक्ज़ीक्यूटिव ने कहा। "फ़्रेड बहुत अच्छी तरह प्रशिक्षित है। उसके पास अच्छा अनुभव है। उसका व्यक्तित्व आकर्षक है। वह अच्छा पति और पिता है, लेकिन उसमें जोश और प्रेरणा की कमी है। फ़्रेड में ज़रा भी जोश नहीं है। अगर हम किसी तरह उसे उत्साही और जोशीला बना सकें, तो वह इस पद के लिए बिलकुल सही

आदमी है।"

मैंने पूछा, "छह महीने में?"

"छह महीने में", उसने दोहराया।

मैं विचारों में खो गया, क्योंकि यह काफ़ी बड़ी समस्या थी। आख़िरकार मैंने कहा, "देखिए, यह संभव है कि फ़्रेड को शायद कभी जाग्रत ही न किया गया हो।"

मेरा दोस्त तत्काल इस बात से सहमत हो गया। "आपकी बात संभवतः सही है। अगर ऐसा है, तो वह अकेला इस समस्या का शिकार नहीं है। कर्मचारियों के मामलों में मैं हर वक़्त यही समस्या देखता हूँ। बहुत से सक्षम लोग हैं, जिन्हें कभी जाग्रत ही नहीं किया गया है। काश! हम उन्हें किसी तरह प्रेरित कर सकें- फ़्रेड से शुरू करके। देखिए, मैं चाहता हूँ कि वह अपनी पूरी संभावना तक पहुँच जाए।"

जब मैं ट्रेन में बैठकर घर लौट रहा था, तो मैंने अपने साथी यात्रियों के चेहरे देखे- चिंतातुर चेहरे, बुझे चेहरे, दुखी चेहरे। मैंने देखा कि सिर्फ़ कुछ ही लोगों के चेहरों पर जोश और ज़िंदगी के प्रति सकारात्मक नज़रिया झलक रहा था। हममें से ज़्यादातर लोग अक्सर बोझिल ज़िंदगी को स्वीकार कर लेते हैं और बेहतर जीवन के लिए संघर्ष भी नहीं करते हैं। हम हताशा भरे तरीक़े से सोचते हैं कि शायद हम इससे ज़्यादा के हक़दार ही नहीं हैं।

तभी मेरे मन में यह विचार आया कि हमारे युग की सबसे बड़ी ज़रूरत दोयमता या सामान्यता (mediocrity) की मानसिकता से लड़ सकने वाले अस्त्र की है, जो हमें सिखा सके कि हमारे भीतर गहराई में दफ़्न उत्साह, जोश और अन्य रचनात्मक शक्तियों का इस्तेमाल कैसे किया जाए। हमें जोश का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करने की जितनी ज़रूरत है, उतनी किसी दूसरी चीज़ की नहीं है। उसी वक़्त मैंने यह पुस्तक लिखने का फ़ैसला कर लिया। मुझे सचमुच यक़ीन है कि जोश ही सफलता और असफलता के बीच का फ़र्क़ है।

फ़्रेड हिल की कहानी आगे विस्तार से बताएँगे और देखेंगे कि उसके साथ क्या हुआ।

हाल-फ़िलहाल मैं आपसे जोश और उसके महत्व के बारे में आपसे बात करना चाहता हूँ। बरसों तक लोगों का अवलोकन और विश्लेषण करने के बाद, मैं इस नतीजे पर पहुँचा हूँ कि जो ख़ुशनसीब लोग जीवन में सबसे ज़्यादा उपलब्धियाँ हासिल करते हैं, वे हमेशा जोश से भरे होते हैं। जो लोग अपनी ज़िंदगी में सबसे ज़्यादा करते या पाते हैं, वे ज़िंदगी के अवसरों और समस्याओं (सबसे बुरे पलों में भी) के प्रति विश्वासपूर्ण और जोशीला नज़रिया रखते हैं। इसलिए मुझे जोश की ज़बर्दस्त शक्ति को रेखांकित करने की ज़रूरत महसूस होती है। इस प्रबल और बेशक़ीमती प्रेरक शक्ति को विकसित करने और क़ायम रखने की तकनीकें सफलता पाने के लिए बहुत ज़रूरी हैं।

जोश सचमुच फ़र्क़ पैदा कर सकता है- यह फ़र्क़ कि आपकी ज़िंदगी कैसी बनेगी। उदाहरण के लिए, दो क़िस्म के लोगों के बीच की गहरी खाई पर विचार करें। एक समूह में आशावादी, ख़ुश और जोशीले लोग हैं। चूँकि उन्हें किसी चीज़ में यक़ीन है, इसलिए वे प्रगतिशील होते हैं, सक्रियता से पहल करके स्थितियाँ पैदा करते हैं, हमेशा समाज की बेहतरी के लिए काम करते हैं, नए काम-धंधे शुरू करते हैं, पुराने समाज को नए रूप में ढालते हैं और बड़ी उम्मीद से नया संसार बनाते हैं।

आधुनिक युवाओं का विद्रोह

इन ऊर्जावान आशावादियों की तुलना निराशा फैलाने वाले लोगों से करें-उन विद्रोहियों से, जो न सिर्फ़ अपने माता-पिता और शिक्षकों की, बल्कि नाइयों की भी अवहेलना करते हैं। उनमें बड़ी ग़लतियों को सही करके मानवता की मदद करने की भविष्य-दृष्टि और शक्ति नहीं होती। इसलिए वे बचकाने खेल खेलने लगते हैं और उनका विद्रोह बदतमीज़ी, गंदगी पंसद, दुविधापूर्ण सोच और हर चीज़ पर शंका के रूप में व्यक्त होता है। जोश कभी किसी नकारात्मक विचारधारा का हिस्सा नहीं होता।

सफल लोगों के रचनात्मक और रोमांचक समूह में शामिल होने के लिए हमें यह सीखना होगा कि जोश का इस्तेमाल कैसे किया जाए। आप पाएँगे कि सफल लोग हमेशा मानते हैं कि जोश ही व्यक्तित्व का वह बेशक़ीमती हिस्सा है, जो ख़ुशी और आत्म-संतुष्टि प्रदान करता है।

स्कॉटिश भौतिक विज्ञानी सर एडवर्ड वी. एपलटन की वैज्ञानिक खोजों ने विश्वव्यापी प्रसारण संभव बनाया